हाथ-पैर में एलर्जी, पानी में दिखा झाग, कुएं से निकला जहर का पाउच, प्रशासन में मचा हड़कंप

कुएं का पानी बना आफत: पानी पीते ही 25 से अधिक ग्रामीणों की बिगड़ी तबीयत

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

ग्राम पंचायत किसनपुर में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के कुएं का पानी पीने और उससे स्नान करने के बाद 25 से 30 ग्रामीणों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। ग्रामीणों को हाथ-पैर में खुजली, एलर्जी और त्वचा संबंधी शिकायतें होने लगीं। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया तथा प्रभावित ग्रामीणों को अस्पताल पहुंचाने के लिए पांच एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं।ग्रामीणों के अनुसार सुबह की तरह उन्होंने गांव के सार्वजनिक कुएं से पानी भरकर घरेलू उपयोग में लिया। कुछ लोगों ने उसी पानी को पीया, जबकि कई लोगों ने उससे स्नान किया। कुछ ही देर बाद लोगों को पानी से अजीब प्रकार की बदबू आने लगी। इसके बाद कई ग्रामीणों के शरीर पर एलर्जी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। हाथ-पैरों में खुजली, जलन और त्वचा पर चकत्ते उभरने की शिकायतें सामने आईं।

पानी में दिखा झाग, बढ़ी आशंका

ग्रामीणों ने जब दोबारा कुएं के पानी की जांच की तो उसमें झाग और फेस बनता दिखाई दिया। इससे ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई। लोगों को आशंका हुई कि कुएं का पानी किसी जहरीले पदार्थ से दूषित हो गया है। इसके बाद तत्काल इसकी सूचना स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई।सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला, स्वास्थ्य विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेते हुए ग्रामीणों को कुएं का पानी उपयोग नहीं करने की सलाह दी।

बाल्टी में मिला जहर का पाउच, कुएं में मृत मछली भी मिली

मामले ने उस समय गंभीर रूप ले लिया जब जांच के दौरान कुएं से पानी निकालते समय बाल्टी में कथित रूप से जहर (पाइजन) का एक पाउच मिला। इतना ही नहीं, कुएं में एक मृत मछली भी पाई गई। इस घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं और लोगों में भय का माहौल बन गया।ग्रामीणों का कहना है कि यदि कुएं में वास्तव में कोई जहरीला पदार्थ डाला गया है तो यह बेहद गंभीर मामला है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है।

एसडीएम, बीएमओ और पीएचई अधिकारी पहुंचे मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम, बीएमओ तथा पीएचई विभाग की ओर से एसडीओ सीता मरकाम अपनी टीम के साथ गांव पहुंचीं। अधिकारियों ने कुएं का निरीक्षण किया और पानी के नमूने एकत्रित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे।प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पानी दूषित होने के कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पानी में किस प्रकार का पदार्थ मिला था और ग्रामीणों की तबीयत खराब होने की वास्तविक वजह क्या थी।

ग्रामीण अस्पताल जाने को तैयार नहीं

प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर प्रभावित ग्रामीणों की चिकित्सकीय जांच कराने का निर्णय लिया गया। इसके लिए पांच एंबुलेंस गांव भेजी गईं, लेकिन अधिकांश ग्रामीण अस्पताल जाने के लिए तैयार नहीं हुए। ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है और वे खुद को ठीक महसूस कर रहे हैं।हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने लोगों को सावधानी बरतने और किसी भी प्रकार की शारीरिक परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी है। विभाग का मानना है कि कुछ मामलों में जहरीले पदार्थों का असर देर से भी दिखाई दे सकता है, इसलिए जांच और निगरानी आवश्यक है।

कुएं के पानी के उपयोग पर रोक

प्रशासन ने एहतियात के तौर पर ग्रामीणों को फिलहाल संबंधित कुएं का पानी पीने या घरेलू उपयोग में लेने से मना कर दिया है। गांव में वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है ताकि लोगों को सुरक्षित पानी उपलब्ध कराया जा सके।अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि जांच पूरी होने तक कुएं के पानी का उपयोग न करें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

जांच रिपोर्ट का इंतजार

फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। पानी के नमूनों की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कुएं का पानी किसी रासायनिक पदार्थ, कीटनाशक या अन्य जहरीले तत्व से दूषित हुआ था अथवा नहीं। वहीं ग्रामीणों की बिगड़ी तबीयत और कुएं से मिले कथित जहर के पाउच ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं, जो इस रहस्यमयी घटना से पर्दा उठाएगी और यह बताएगी कि आखिर गांव के कुएं का पानी अचानक लोगों के लिए खतरा कैसे बन गया।

एचएमएस के प्रयासों से दिवंगत ठेका श्रमिक के परिवार को मिला 25 लाख रुपये का मुआवजा

छिंदवाड़ा। कोयला श्रमिक सभा (एचएमएस) के जेबीसीसीआई सदस्य एवं वेकोलि एचएमएस अध्यक्ष शिवकुमार यादव के सतत प्रयासों से सावनेर खदान-1 में दुर्घटना के दौरान दिवंगत हुए ठेका श्रमिक स्वर्गीय पर्वत सिंह धुर्वे के परिवार को 25 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की गई।मुआवजा राशि का चेक प्रबंधन एवं एचएमएस प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मृतक की माता श्रीमती मुन्नीबाई धुर्वे को सौंपा गया। इस अवसर पर वेकोलि संचालन समिति के वैकल्पिक सदस्य राजेश सूर्यवंशी तथा एचएमएस पेंच क्षेत्र के महामंत्री राहुल पाल उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान श्रमिक नेताओं ने परिवार को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। वहीं एचएमएस अध्यक्ष शिवकुमार यादव ने दूरभाष पर परिजनों से चर्चा कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा भविष्य में भी संगठन की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।कोयला श्रमिक सभा (एचएमएस) ने कहा कि संगठन सदैव श्रमिकों एवं उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुआवजा राशि मिलने से दिवंगत श्रमिक के परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा और कठिन समय में कुछ राहत प्राप्त होगी।

बहुचर्चित चावल घोटाला: एवीजे कंपनी के दो प्रतिनिधि गिरफ्तार, 28 जून तक पुलिस रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

बालाघाट के बहुचर्चित चावल घोटाले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सौसर के बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र स्थित एथेनॉल बनाने वाली कंपनी 'एवीजे प्रा. लि.' के दो प्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल प्रताप और राकेश श्रीवास के रूप में हुई है। मंगलवार को पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उन्हें पूछताछ के लिए 28 जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

यह मामला एफसीआई बालाघाट से संबंधित है। आरोप है कि एथेनॉल उत्पादन के लिए एवीजे एग्रीको कंपनी को भेजे गए करीब 4 करोड़ रुपये मूल्य के 16,500 क्विंटल चावल अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचे।

जानकारी के अनुसार, अप्रैल से जून माह के बीच यह चावल 44 ट्रकों के माध्यम से भेजा गया था, जो रास्ते से ही गायब हो गया। आशंका जताई जा रही है कि एथेनॉल प्लांट और मिलर्स के एक संगठित सिंडिकेट ने सुनियोजित तरीके से इस सरकारी चावल को बाजार में ठिकाने लगा दिया। जांच एजेंसियां अब आरोपियों से गहन पूछताछ की तैयारी में हैं। पुलिस इस मामले में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित कर रही है। जिसमें आवंटित चावल का वास्तविक गंतव्य क्या था और उसे कहाँ खपाया गया? परिवहन व्यवस्था की मॉनिटरिंग में कौन-कौन शामिल था,दस्तावेजी रिकॉर्ड और वास्तविक परिवहन के आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर कैसे आया? इस पूरे नेटवर्क में किन रसूखदार लोगों या अन्य मिलर्स की मिलीभगत है? सूत्रों के अनुसार, पुलिस टीम अब परिवहन से जुड़े दस्तावेजों, वे-ब्रिज रिकॉर्ड, जीपीएस डेटा और गोदामों के रिकॉर्ड का मिलान कर रही है। इस गिरफ्तारी के बाद से सौसर के औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

जांच एजेंसियों का मानना है कि रिमांड के दौरान मिलने वाले इनपुट से इस घोटाले में शामिल कई अन्य बड़े चेहरे भी बेनकाब हो सकते हैं। फिलहाल, एवीजे कंपनी के प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी ने इस मामले में जांच की दिशा को और तेज कर दिया है। आने वाले दिनों में मामले में और भी चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है।

जी. एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, साईखेड़ा का शानदार प्लेसमेंट रिकॉर्ड

छात्रों ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों में जमाया परचम

सौंसर। शैक्षणिक उत्कृष्टता और करियर निर्माण के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे जी. एच. रायसोनी विश्वविद्यालय, साईखेड़ा ने एक बार फिर अपनी सफलता का परचम लहराया है। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, फार्मेसी एवं कृषि संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सफलता प्राप्त कर संस्थान का मान बढ़ाया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले शैक्षणिक सत्र में छात्रों का चयन अग्रणी कंपनियों में हुआ है, जिसमे इंजीनियरिंग संकाय में 25 से अधिक विद्यार्थियों का चयन एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, एल एंड टी फाइनेंस, एक्सेंचर, कॉग्निजेंट और डेलॉइट,फार्मेसी संकाय 43 विद्यार्थियों ने आइकॉन रेमेडीज, मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स, ल्यूपिन और भारत रबर जैसी नामचीन फार्मा कंपनियों में रोजगार हासिल किया। 25 विद्यार्थियों को एग्रोस्टार, बायर क्रॉप साइंस, पालवी एग्रो, सनगॉड एगफार्म और अंकुर सीड्स जैसी प्रमुख कृषि-व्यवसाय कंपनियों में अवसर मिले।

रायसोनी समूह की प्लेसमेंट उपलब्धियाँ अत्यंत प्रभावशाली रही हैं। पिछले सत्र में बी.टेक. के विद्यार्थियों के लिए 45 लाख प्रतिवर्ष और एम.टेक. विद्यार्थियों के लिए 67 लाख प्रतिवर्ष का उच्चतम पैकेज दर्ज किया गया, जो विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के पीछे इसका 'केंद्रीकृत प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल' है। यह सेल छात्रों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि उद्योग के लिए तैयार बनाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय प्रबंधन शिक्षकों और प्लेसमेंट टीम के सामूहिक प्रयासों को दिया है।

जमाई में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 48 बल्क लीटर शराब जब्त

अंकुर ढाबा और अपना ढाबा पर दबिश, तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

कलेक्टर छिंदवाड़ा हरेंद्र नारायण के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार 24 जून 2026 को आबकारी वृत जमाई की टीम ने जमाई नगर के वार्ड क्रमांक-2 स्थित इकलहरा क्षेत्र में संचालित अंकुर ढाबा एवं अपना ढाबा पर दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की।

आबकारी विभाग की टीम ने दोनों प्रतिष्ठानों की सघन जांच की, जिसमें अवैध रूप से रखी गई देशी एवं विदेशी मदिरा बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 48 बल्क लीटर शराब जब्त की गई। बरामद मदिरा में 20 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 8 बल्क लीटर बीयर, 9 बल्क लीटर विदेशी शराब तथा 11 बल्क लीटर देशी शराब शामिल है।मामले में आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) एवं 36 के तहत कुल तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अवैध मदिरा के भंडारण एवं विक्रय की सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई।

आबकारी विभाग का कहना है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। विभाग द्वारा ऐसे स्थानों पर नियमित निगरानी रखी जा रही है, जहां अवैध मदिरा कारोबार की आशंका रहती है।

इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक एवं वृत प्रभारी नरेंद्र नागेश, आबकारी आरक्षक मिथुन तथा अमृता साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मदिरा कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई है।

थाने के पीछे की सड़क से गुजर कर निर्माण स्थल पर पहुंच रहे रेत के ट्रक

सांदीपानी स्कूल का टूटा गेट खोल रहा रेत चोरी की पोल!

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया तहसील में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों से क्षेत्र में रेत चोरी इसलिए फल-फूल रही है क्योंकि रेत माफियाओं को खनिज, राजस्व और अन्य संबंधित विभागों का संरक्षण प्राप्त है।

यही कारण है कि समय-समय पर कार्रवाई के दावों के बावजूद अवैध रेत का कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हो पाया है।ग्रामीणों का कहना है कि 19 मई की दरमियानी रात फासीढाना के पास राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक द्वारा आधा दर्जन रेत से भरे वाहनों को पकड़ा गया था।

आरोप है कि बाद में कथित लेन-देन के बाद इन वाहनों को छोड़ दिया गया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसने विभागीय कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े किए थे। हालांकि पिछले कुछ दिनों से कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद वन विभाग और राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से रेत चोरी के खिलाफ अभियान चलाया है। अधिकारियों का दावा है कि इस कार्रवाई के चलते क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर काफी हद तक अंकुश लगा है और रेत चोरी लगभग बंद हो चुकी है। लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली रेत कारोबारियों को अब भी अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते अवैध परिवहन का सिलसिला जारी है।

इसी बीच सांदीपानी स्कूल परिसर में चल रहे छात्रावास एवं गर्ल्स हॉस्टल निर्माण कार्य को लेकर नया विवाद सामने आया है। आरोप है कि निर्माण कार्य में बड़ी मात्रा में रेत का उपयोग किया जा रहा है और यह रेत अवैध रूप से लाई जा रही है। बताया जा रहा है कि स्कूल परिसर में आम लोगों के प्रवेश पर रोक है तथा मुख्य गेट पर प्रवेश निषेध का बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बावजूद बीती रात टीई बंगले के पीछे वाले मार्ग से रेत से भरे ट्रक परिसर में प्रवेश करते देखे गए। स्थानीय लोगों के अनुसार रेत लेकर जा रहे एक ट्रक ने स्कूल का गेट भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि स्कूल प्रबंधन का कहना है कि गेट पहले से कमजोर था और उसी कारण टूट गया। वहीं दूसरी ओर आरोप लगाने वालों का दावा है कि गेट के आसपास भारी वाहनों के टायरों के निशान स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं, जो रात में वाहनों की आवाजाही की ओर संकेत करते हैं।

इसके अलावा पुराने स्कूल भवन के सामने बड़ी मात्रा में डंप की गई रेत भी दिखाई दे रही है, जिससे निर्माण कार्य में रेत की खपत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रेत वैध रूप से खरीदी गई है तो संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर खनिज, वन और राजस्व विभाग द्वारा रेत चोरी पर लगाए गए नियंत्रण के दावों की पोल खोल दी है।

गंदगी से बज बजा रही वेकोलि की कॉलोनियां

वेकोलि कामगार का भाई है ठेकेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

वेकोलि पेंच क्षेत्र के छिंदा , सेठिया में स्थित कॉलोनियां गंदगी से बजबजा रही है । यहां सफाई का जिसे ठेका मिला है , वह वेकोलि कामगार का भाई बताया जा रहा है । जो सिर्फ बिल लगाकर पैसा ले रहा है । इधर कालोनियों में नालियां कचरा , मिट्टी , बदबूदार पानी से पटी पड़ी है ।पेंच कोयला क्षेत्र में कुछ चुनिंदा स्थानों में कोयला खदाने अभी संचालित है । जिसमें छिंदा भी शामिल है ।

पूर्व में छिंदा और सेठिया में कोयला खदानें चल चुकी हैं । वर्तमान में छिंदा ओ सी एम चालू है । यहां वेकोलि प्रबंधन के द्वारा कामगारों के रहने के लिए कालोनियां भी बनाई । जिन्हें 52 , 96 , 200 क्वाटर और अन्य नाम से भी जाना जाता है । इन कालोनियों में वेकोलि के नियमित कामगार , ठेका कामगार , गैर वेकोलि कामगार रहते हैं । चुंकि वर्तमान में खदान चालू है , जिसके मद्देनजर कालोनियों की सफाई के लिए प्रबंधन द्वारा ठेका दिया है । ठेके के अनुसार कालोनियों में नियमित सफाई होना है , लेकिन कालोनियों में बजबजा गंदगी साफ - साफ बता रही है , कि यहां महीनों से सफाई नहीं हुई है । ठेका दो साल के लिए दिया गया है । लोग बता रहे हैं , कि जो ठेकेदार है उसका भाई जी एम ऑफिस में कार्यरत है ।

खुद करना पड़ रहा सफाई

स्थानीय निवासी बीएमएस जिला अध्यक्ष अर्जुन भारती , ललन यादव और राजेश पासवान कहते हैं , कि क्षेत्र में सफाई के लिए ठेका तो दे दिया गया है , लेकिन काम हो रहा है , या नहीं इसकी निगरानी कोई नहीं कर रहा है , जबकि निगरानी के लिए भी प्रबंधन ने अधिकारी नियुक्त किए हुए हैं । अधिकारियों को इसकी बार - बार जानकारी दिए जाने के बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । लोगों को खुद गंदगी की सफाई करना पड़ रहा है ।

ठेका शर्तों में जानकारी देने का प्रावधान

वेकोलि में कोई भी कार्य का ठेका ऑनलाइन होता है । जिसमें इक्छुक व्यक्ति ऑनलाइन आवेदन करता है । हर ठेके की एक एन आई टी होती है , जिसमें ठेकेदार को यह जानकारी देनी होती है , कि उसका कोई रिस्तेदार वेकोलि या उसकी किसी अन्य अनुसंगिक इकाई में कार्यरत तो नहीं है । यदि होता है , सम्बंधित व्यक्ति को ठेका मिलने की संभावनाएं बहुत कम होती है । जैसा की बताया जा रहा है , कि उक्त कार्य के ठेकेदार का भाई वेकोलि का स्थाई कर्मचारी है , ऐसी स्तिथि में ठेका मिल जाने का कारण जांच का विषय है ।

सांसद साहू ने किया गायत्री मंदिर की यज्ञशाला का भूमिपूजन

पांढुर्णा । आज 24 जून को सुबह 11 बजे क्षेत्रीय सांसद बंटी उर्फ विवेक साहू के हस्ते गायत्री मंदिर के बाजू में संस्था की यज्ञशाला का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद महोदय ने सर्वप्रथम मंदिर में जाकर माता गायत्री के दर्शन की पूजा की। इसके उपरांत मंदिर में तीसरी मंजिल पर चल रहे यज्ञ में आहूति प्रदान की। सांसद बंटी साहू ने गायत्री परिवार के क्रियाकलापों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए अधिकाधिक जनता को गायत्री परिवार से जुड़ने की अपील भी की। इसके उपरांत गायत्री मंदिर के बाजू स्थित रिक्त भूमि पर सांसद महोदय ने कुदाल चलाकर यज्ञशाला भवन का भूमिपूजन किया। इस मौके पर नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे के अलावा अनेक वरिष्ठ भाजपा प्रतिनिधिगण एवं मंदिर संस्थान से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

चौपाल बाउंड्री वॉल बनेगी नगर पालिका अध्यक्ष में 18 लाख के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया

परासिया। वार्ड क्रमांक एक के दुर्गा मंदिर के काली स्टेज में चौपाल का निर्माण किया जाएगा ।मंदिर के सामने चारों ओर बाउंड्री वॉल बनेगी। लोगों के घरों के सामने सीमेंट कांक्रीट रोड भी बनाई जाएगी । बुधवार को 2:30 बजे परासिया नगर पालिका के अध्यक्ष विनोद मालवीय ने लगभग 18 लख रुपए के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। इस कार्य के होने से मंदिर के आसपास सौंदर्यीकरणकरण होगा। वहीं नागरिकों को छोटे आयोजन के लिए सुरक्षित जगह भी मिल जाएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक एक की पार्षद कुंती उइके सरोज डेहरिया, सुनील विश्वकर्मा, छोटू खान उपस्थित रहे। नगर पालिका के राजस्व लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी भी इस दौरान उपस्थित रहे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कविता डेहरिया वार्ड की महिलाएं कार्यक्रम में मौजूद रही। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान नागरिकों ने इस वार्ड के अनेक समस्याओं को लेकर मांग रखी थी । प्राथमिकता के आधार पर नागरिकों की मांग को पूरा किया जा रहा है । मुख्यमंत्री अधो संरचना फेस टू मद से कुछ निर्माण कार्यों की राशि वापस हो रही थी। उसे रोककर प्रस्ताव लेकर विभिन्न कार्य स्वीकृत किए गए हैं । उसी के तहत यह कार्य किया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि अगले चरण में नगर में विभिन्न निर्माण कार्य किए जाएंगे ।2 करोड रुपए से ज्यादा के कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। इसमे वार्ड 13 के खेड़ापति मंदिर की पुलिया, स्टेशन रोड का पुल निर्माण, और अन्य सात निर्माण कार्य किए जाएंगे।

बेटी प्राचीता किया कोदाडोंगरी गांव का नाम रोशन, फूड सेफ्टी ऑफिसर बनकर बढ़ाया क्षेत्र का मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोदाडोंगरी की होनहार बेटी प्राचीता गोडबोले ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है। प्राचीता का चयन 'खाद्य सुरक्षा अधिकारी' (फूड सेफ्टी ऑफिसर) के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में, बल्कि पूरे कोदाडोंगरी गांव और सौंसर क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का माहौल है। प्राचीता गोडबोले की यह सफलता प्रेरणादायी है। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, प्राचीता ने अपनी मेहनत, अटूट लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। वे हरिचन्द्र गोडबोले एवं सविता गोडबोले की सुपुत्री हैं। परिवार के सदस्यों, ताराचंद गोडबोले और सरिता गोडबोले ने प्राचीता की उपलब्धि को पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया।

तीन दिवसीय श्री राधा कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न

जुन्नारदेव। नगर की सुप्रसिद्ध धार्मिक देव स्थलीय पहली पारी जुन्नारदेव विशाला में यदुवंश शिरोमणि श्री राधा कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय कार्यक्रम बुधवार 24 जून को संपन्न हुआ इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर परिसर में पूजन अनुष्ठान संपन्न हुए अंतिम दिवस हवन पूर्णाहुति उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में धर्म प्रेमियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान विभूषित द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज जुन्नारदेव की पावन धरा पर पधारे जिन्होंने अंतिम दिवस जुन्नारदेव विशाला मंदिर में प्रवचन के दौरान कहां कि श्री कृष्ण का सारा जीवन एक आदर्श रहा है जहां पर उन्होंने जन्म से ही अपनी लीला दिखाना शुरू कर दिए थे श्री कृष्ण की बाल लीला हमें अनेकों संदेश प्रदान करती है। उन्होंने श्री कृष्ण के बाल चरित्र का वर्णन प्रवचन के दौरान किया। आदि शंकराचार्य के दर्शनों हेतु जिला सांसद विवेक बंटी साहू, चौधरी चंद्रभान, विधायक सुनील उईके, यदुवंशी समाज के जिला अध्यक्ष विनोद यदुवंशी, जगन्नाथ यदुवंशी युवा अध्यक्ष, मंदिर समिति अध्यक्ष सुरेश यदुवंशी, जिला महामंत्री संतकुमार यदुवंशी, दीनदयाल यदुवंशी, पूनाराम यदुवंशी, अध्यक्ष जुन्नारदेव सूरज यदुवंशी, पूर्व अध्यक्ष सिपतराम, जगदीश यदुवंशी, मुरारी यदुवंशी, पप्पू यदुवंशी, पूर्व अध्यक्ष शिकलचंद यदुवंशी, विजय यदुवंशी, रोहन, मुकेश यदुवंशी, नीरज यदुवंशी, गणेश यदुवंशी, निरोतम चंद्रवंशी, ललित यदुवंशी, संदीप यदुवंशी, दीपक यदुवंशी, कपिल यदुवंशी, विजय यदुवंशी, गजानंद, राकेश, बंटी बाबा, अशोक पटेल, क्रेश यदुवंशी सहित जुन्नारदेव एवं छिंदवाड़ा जिले के यदुवंशी समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

3 जिले के अध्यक्ष राधेश्याम सुधा का हुआ सत्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

नगर के जायसवाल लान में माहेश्वरी समाज सौंसर का पावन उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी'बड़े ही हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस उत्सव में समाज के बंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान महेश के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव के रुद्राभिषेक के साथ हुई। मंत्रोच्चार के बीच हुए अभिषेक ने पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया। इसके पश्चात आयोजित भजन संध्या में समाज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सौंसर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष किशोर सांवल, सचिव मनोज कुलधरियॉ इंदरचंदजी डागा के नेतृत्व मे समाज की ओर से तीन जिले के अध्यक्ष राधेश्याम सुदा का सत्कार किया गया। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष संजय राठी, नपा अध्यक्ष श्रीमती सुरेखा डागा, नरेश बागानी, राहुल राठी, विवेक राठी, पंकज साबू, सुयश राठी, पंकज बागानी, निहाल भुतडा, समीर डांगरा, पराग बागानी आदि थे।

12 एकड़ में धान के स्थान पर अरहर की बोनी कर बने अन्य किसानों के लिए प्रेरणा

कम बारिश की आशंका के बीच किसान संतोष ठाकरे ने दिखाई नई राह

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जलवायु परिवर्तन और अनिश्चित मानसून के दौर में बालाघाट जिले के प्रगतिशील किसान नई परिस्थितियों के अनुरूप खेती की दिशा बदलकर मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। बालाघाट विकासखंड के ग्राम चांगोटोला निवासी प्रगतिशील कृषक संतोष ठाकरे ने इस वर्ष संभावित कम वर्षा को देखते हुए परंपरागत धान की खेती के स्थान पर 12 एकड़ क्षेत्र में अरहर की फसल बोकर अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।कृषि विभाग के मार्गदर्शन एवं सलाह पर अमल करते हुए श्री ठाकरे ने सुपर सीडर मशीन की सहायता से अरहर की बोनी की है। उनका मानना है कि बदलते मौसम और जल संकट की परिस्थितियों में ऐसी फसलों को अपनाना समय की आवश्यकता है, जिनमें कम पानी की जरूरत हो और किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो सके।अरहर एक ऐसी दलहनी फसल है, जो धान की तुलना में काफी कम पानी में तैयार हो जाती है। इसके साथ ही यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक होती है तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलने से आय में वृद्धि होती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार कम वर्षा की स्थिति में अरहर जैसी फसलें किसानों के लिए अधिक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प साबित हो सकती हैं।कृषक संतोष ठाकरे ने बताया कि धान की खेती में अधिक पानी, श्रम एवं लागत की आवश्यकता होती है, जबकि अरहर अपेक्षाकृत कम लागत में अच्छी उपज और बेहतर लाभ प्रदान करती है। इसी कारण उन्होंने इस वर्ष बड़े क्षेत्र में अरहर की खेती करने का निर्णय लिया है।कृषि विभाग ने भी किसानों से जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फसल विविधीकरण अपनाने तथा कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने की अपील की है। विभाग का मानना है कि इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जल संरक्षण को भी प्रोत्साहन मिलेगा। ग्राम चांगोटोला के किसान संतोष ठाकरे की यह पहल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। उनकी दूरदर्शिता और नवाचारपूर्ण सोच यह संदेश देती है कि बदलते मौसम के अनुरूप कृषि पद्धतियों में परिवर्तन कर किसान न केवल जोखिम कम कर सकते हैं, बल्कि अपनी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं।

जिले में 24 जून तक 22 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 24 जून 2026 तक कुल 22 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 43 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 से 24 जून तक 170 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए और जून माह में 212 मिलीमीटर वर्षा होना चाहिए। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जून को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 06 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 01 मिलीमीटर, वारासिवनी में 07 मिलीमीटर, बैहर में 14 मिलीमीटर, लांजी में 00 मिलीमीटर, कटंगी में 00 मिलीमीटर, किरनापुर में 02 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 20 मिलीमीटर, बिरसा में 05 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 12 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 02 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

लकड़ी माफियाओं को सहयोग करने पर परिक्षेत्र सहायक व बीटगार्ड पर गिरी निलंबन की गाज

युवराज बोरकर वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी व जामेन्द्र सिंगमारे वनरक्षक बीटगार्ड खड़कपुर निलंबित, सूखी काष्ठ व गिली काष्ठ 26.647 घनमीटर को अवैध रूप से लोड कराने का मामला

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। खैरलांजी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत निजी भूमि स्वामी के यहां पर हुई विविध प्रजाति के पेड़ों की कटाई के आड़ में अन्य प्रजाति की लकड़ी के अवैध परिवहन कराने तथा उसमें लोड कराने में लकड़ी माफियाओं को सहयोग करने वाले वन परिक्षेत्र सहायक और बीटगार्ड पर अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं निलंबन की गाज गिरी है। इस मामले में युवराज बोरकर वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी और जामेंद्र सिंगमारे वनरक्षक बीटगार्ड खड़कपुर को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि इनके द्वारा सूखी काष्ठ व गिली काष्ठ कुल 120 नग लठठा 26.647 घनमीटर को अवैध रूप से लोड कराया गया है। लकड़ी माफियाओं को सहयोग करने का यह मामला वैसे तो मार्च महीने का है और दो ट्रक जप्त किया गया था, पर अब जाकर डीएफओ दक्षिण सामान्य वन मंडल नित्यानंद एल की ओर से यह कार्यवाही विगत 10 जून को की गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक परिक्षेत्र अंतर्गत बालाघाट में पूर्व में चर्चित रहे लकड़ी माफिया की मिलीभगत में यहां के स्थानीय कुछ वन अमला ने कई बार पूर्व में अवैध निकासी में सहभागिता की थी। लेकिन एक निजी भूमि स्वामी के यहां की लकड़ी के मामले में वह फंस गये। जिसके चलते वन विभाग के ये दोनों कर्मचारी निलंबन की जद में आ गये और इनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की गई है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र खैरलांजी अंतर्गत भूमिस्वामी प्रकरण में आवेदक किसनलाल पिता नत्थूलाल जैतवार जाति पंवार निवासी पिंडकेपार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट मौजा पटवारी हल्का नंबर 22 खसरा नंबर 383, 226/2, 381, 184/3, 267/9, 376/9 रकबा 0.492, 1.487, 0.045, 1.092, 0.749, 0.829 हेक्टेयर पर स्थित आंजन, हीवर एवं किन्हीं प्रजाति के कुल 83 वृक्षों की अनुमतिशुदा कटाई से प्राप्त काष्ठ 1346 नग लट्ठा (284.258 घ.मी.) एवं 121 जलाउ चट्टा का युवराज बोरकर वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी द्वारा सत्यापन कर दिनांक 09/05/2025 को प्रकरण वन परिक्षेत्र कार्यालय खैरलांजी सामान्य में प्रस्तुत किया गया था। परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी के प्रतिवेदन के आधार पर काष्ठ परिवहन हेतु पासिंग हेमर का निशान प्रदाय करने प्रकरण उपवनमण्डल कटंगी (सा.) के माध्यम से वनमण्डल कार्यालय भेजा गया। उक्त प्रकरण में नियमानुसार पासिंग हेमर निशान अंकित किया गया। भूमिस्वामी आवेदक किसनलाल पिता नत्थूलाल जैतवार जाति पंवार निवासी पिडकेपार तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट द्वारा आंजन, हीवर एवं किन्हीं प्रजाति के कुल 558 नग लट्ठा (131.507 घ.मी.) एवं 40 जलाउ चट्टे को कुल 16 परिवहन अनुजा पत्र के माध्यम से एन. टी. पी. एस. प्रणाली के तहत परिवहन किया गया है। दिनांक 11.03.2026 को ट्रक क्रमांक एमएच 40 बी एल 7567 एवं ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 4363 में काष्ठ लोड किया गया था। उक्त काष्ठ का सत्यापन युवराज बोरकर वनपाल, परिक्षेत्र सहायक खैरलांजीएवं जामेन्द्र सिंगमारे वन रक्षक द्वारा किया गया था। दिनांक 12.03.2026 को मुखबीर से सूचना प्राप्त होने पर एवं आवेदक द्वारा ऑनलाईन टी.पी. की मांग किए जाने पर उडनदस्ता दल वनवृत्त बालाघाट के साथ वनपरिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी (सा.) परिक्षेत्र द्वारा उक्त दोनों ट्रक में लोड की गयी काष्ठ का सूक्ष्मता से सत्यापन किया गया। वाहनों में गिली काष्ठ लोड होना पाया गया। कुछ सूखे पुराने लड्डो में जिसका हेमर माह जून 2025 को लगाया जा चुका था. जिसमें हेमर चिन्ह एवं गीले लट्ठे में उसी स्वरूप का आकृक्ति में बड़ा रूप हेमर निशान लगा होना पाया। मौका स्थल पर संदेह की स्थिति निर्मित होने पर उक्त दोनों ट्रकों को काष्ठ सहित जप्त किया गया।

बताया जाता है कि संबंधित मामले में वनपरिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी (सा.) परिक्षेत्र द्वारा अनेको बार निर्देश दिया गया था कि भूमि स्वामी प्रकरणों में अनुमति शुदा काटे गए वृक्षों से प्राप्त काष्ठ का सत्यापन एवं वाहन लोडिंग सूक्ष्मता से करें। अवैध कटाई, अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु साकडी, डांगुरलीघाट एवं अतरी, घोटी घाट, वनोपज जाँच नाका खैरी एवं अन्य स्थान में रात्रि गश्ती के दौरान भी परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा युवराज बोरकर वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी एवं जामेन्द्र सिंगमारे वनरक्षक, बीटगार्ड खडकपुर को निर्देशित किया गया था। किन्तु भूमिस्वामी आवेदक किसनलाल पिता नत्थूलाल जैतवार जाति पंवार निवासी पिंडकेपार प्रकरण में प्राप्त काष्ठ पर माह जून 2025 में नियमानुसार पासिंग हेमर का निशान अंकित किया गया था, जबकि दिनांक 11. 03. 2026 को ट्रक क्रमांक एमएच 40 बीएल 7567 एवं ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 4363 में सूखी काष्ठ एवं गिली काष्ठ कुल 120 नग लट्ठा (26.647 घनमीटर) काष्ठ को अवैध रूप से लोड कराने में युवराज बोरकर वनपाल परिक्षेत्र सहायक खैरलांजी एवं जामेन्द्र सिंगमारे वनरक्षक बीटगार्ड खडकपुर की प्रथम दृष्टिया कार्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही बरती गई तथा अवैध वनोपज पाये जाने पर उनकी गलती सामने आयी है। जिसके फलस्वरूप उपवनमण्डलाधिकारी कटंगी (सा.) द्वारा दिनांक 10.06.2026 के प्रतिवेदन के आधार पर युवराज बोरकर वनपाल एवं जामेन्द्र सिंहमारे वनरक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा की गई है।

तकनीकी एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, निष्पक्ष संचालन पर दिया जोर

बालाघाट। राजा भोज शासकीय महाविद्यालय कटंगी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बी.एस.डब्ल्यू. (बैचलर ऑफ सोशल वर्क) एवं एम.एस.डब्ल्यू. (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) की मुख्य परीक्षाएं निर्धारित कार्यक्रमानुसार संचालित की जा रही हैं। परीक्षाओं का शुभारंभ 22 जून से हुआ है तथा इन्हें दो पालियों में सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को प्रथम पाली में आयोजित एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष की परीक्षा के दौरान महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री अनिल कुमार शेंडे एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री सुरेंद्र भगत ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

24 घंटे बाद भी नहीं पहुंचा बिजली विभाग, पशु मालिक को 70 हजार का नुकसान

ढिमरूरीढ में ट्रांसफार्मर के करंट से भैंस की मौत

हरिभूमति न्यूज कटंगी।

थाना क्षेत्र के ग्राम ढिमरूरीढ में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। गांव में लगे ट्रांसफार्मर से निकले करंट की चपेट में आने से एक पालतू भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मंगलवार की बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग का कोई भी कर्मचारी मौके पर पंचनामा बनाने नहीं पहुंचा, जिससे पीड़ित पशु मालिक और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार ग्राम ढिमरूरीढ निवासी दोहरी लाल नरवेती की पालतू भैंस मंगलवार को चरते-चरते गांव में लगे बिजली ट्रांसफार्मर के पास पहुंच गई। ट्रांसफार्मर से करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट की चपेट में आते ही भैंस की मौके पर ही तड़पकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर के आसपास कोई फेंसिंग नहीं है और अर्थिंग भी ठीक से नहीं की गई है। जिसके कारण आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है। घटना के तुरंत बाद पशु मालिक दोहरी लाल नरवेती ने बिजली विभाग के स्थानीय कार्यालय में सूचना दी और मुआवजे के लिए पंचनामा बनाने की मांग की। लेकिन बुधवार दोपहर 12 बजे तक यानी करीब 24 घंटे बीत जाने के बाद भी विभाग का कोई लाइनमैन या अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था। नियमानुसार करंट से पालतू पशु की मौत होने पर पशु मालिक को शासन की ओर से मुआवजा दिया जाता है। इसके लिए बिजली विभाग, पशु चिकित्सा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम का पंचनामा अनिवार्य होता है। विभाग की देरी के कारण ही मुआवजा प्रक्रिया अटक जाती है।

सरपंच ने जताई नाराजगी: ग्राम पंचायत जमुनिया के सरपंच उमेश पटले ने बताया, कल घटना के तुरंत बाद ही बिजली विभाग को फोन पर सूचना दे दी गई थी। मैंने खुद अधिकारियों से बात की थी। उन्होंने जल्द टीम भेजने का आश्वासन दिया था, लेकिन 24 घंटे बाद भी कोई नहीं आया। यह विभाग की घोर लापरवाही है। सरपंच ने आगे कहा कि ट्रांसफार्मर के पास खुले तार और करंट का रिसाव लंबे समय से हो रहा है। कई बार शिकायत की गई, लेकिन सुधार नहीं हुआ। आज एक गरीब किसान की 70 हजार की भैंस मर गई। कल को कोई जनहानि हो गई तो कौन जिम्मेदार होगा। पीड़ित पशु मालिक दोहरी लाल नरवेती ने बताया कि भैंस दूध देती थी, जिससे परिवार का गुजारा चलता था। अचानक 70 हजार रुपये का नुकसान हो गया। विभाग वाले पंचनामा ही नहीं बना रहे तो मुआवजा कैसे मिलेगा। हम गरीब लोग कहां से दूसरी भैंस खरीदेंगे। बिजली विभाग की इस लापरवाही से ढिमरूरीढ और आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रांसफार्मर के मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। बारिश के मौसम में करंट फैलने का खतरा और बढ़ गया है।

खबर संक्षेप

भरत गजबे बने बरघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय, भोपाल के आदेश दिनांक 15/06/2026 अनुसार नगर परिषद, चांदामेटा जिला-छिंदवाड़ा में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के पद पर पदस्थभरत गजबे का स्थानांतरण कार्यालय, नगर परिषद बरघाट जिला सिवनी में किया गया। शासन आदेश के परिपालन में भरत गजबे के द्वारा कार्यालय नगर परिषद, बरघाट में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद बरघाट के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया गया श्री गजबे जो पूर्व में भी कार्यालय, नगर परिषद बरघाट में कार्यरत रह चुके हैं, जिनकी पदस्थापना से नगरवासियों की उम्मीदें नगर के विकास कार्यों हेतु और अधिक बढ़ गई हैं ।

बंडोल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सिवनी। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को बंडोल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने, आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने तथा त्योहार के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई।बैठक में थाना प्रभारी मनोज जंघेला, क्षेत्र के राकेश बैस, रमजान कुरैशी, सफीक कुरैशी, देवीसिंह राजपूत,पीछात ठाकुर, वीरेन्द्र साहू, मोनिक सिंह, सुदेश डहेरिया अनुराग पगारे सहित गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। सभी ने पर्व को आपसी सद्भाव और सहयोग के साथ मनाने का संकल्प लिया तथा प्रशासन को आवश्यक सुझाव भी दिए।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक डे के अवसर पर हॉकी मैच का आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक डे 2026 के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग और जिला हॉकी संघ सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में सिवनी रेड एवं सिवनी ग्रीन टीमों के मध्य हॉकी मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबले में सिवनी रेड टीम विजेता रही। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की अधिकारी श्रीमती मनु धुर्वे , जिला हॉकी संघ अध्यक्ष डी.एल. गौर , पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी असद खान , वरिष्ठ खिलाड़ी अब्दुल रशीद कुरैशी , सेवानिवृत्त पीटीआई प्रदीप वर्मा एवं फैसल खान (खेलो इंडिया हॉकी कोच, सिवनी) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

घंसौर थाना में परिसर में लगी आग, डिजिटल रिकॉर्ड, कार्यालयीन डेटा जलकर राख

सिवनी के घंसौर थाना परिसर में बुधवार सुबह करीब 4 बजे कंप्यूटर कक्ष में आग लग गई। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद उस पर काबू पाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग से कंप्यूटर कक्ष में रखे कंप्यूटर, प्रिंटर, बैटरी, इन्वर्टर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

थाना रिकॉर्ड से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कार्यालयीन सामग्री भी जलकर नष्ट होने की आशंका है। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो थाना भवन के अन्य हिस्सों तक भी फैल सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था।

शॉर्ट सर्किट से आग की संभावना जताई

आग लगने के बाद थाना प्रभारी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के संबंध में आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई भी की जा रही है। इस आगजनी से थाना के तकनीकी और प्रशासनिक कार्य प्रभावित होने की संभावना है। कंप्यूटर कक्ष में विभिन्न मामलों से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड, कार्यालयीन डेटा और पत्राचार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सुरक्षित रखी जाती थीं। पुलिस विभाग अब उपलब्ध रिकॉर्ड का सत्यापन कर नुकसान की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में जुटा है। स्थानीय लोगों ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुएसरकारी कार्यालयों में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

प्रबंधक शशि सिंह राजपूत की कार्यशैली से त्रस्त किसान

हटाने की मांग ने पकड़ा जोर

शिकायतों का अंबार, किसानों का फूटा गुस्सा; बोले- तत्काल हटाया जाए प्रबंधक

घंसौर/ घंसौर तहसील के अंतर्गत आने वाले केदारपुर ग्राम अंतर्गत आदिम जाति सेवा सरकारी समिति केदारपुर के प्रबंधक के द्वारा इन दिनों खाद को लेकर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है मिली जानकारी के अनुसार खाद टोकन में दर्ज के अलावा दूसरी खाद लेने को मजबूर कर रहे हैं इससे क्षेत्र के किसानों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। किसानों द्वारा दिए गए एक लिखित आवेदन में संबंधित प्रबंधक शशि सिंह राजपूत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। किसानों का आरोप है कि प्रबंधक की लापरवाही, मनमानी और किसानों की समस्याओं के प्रति उदासीन रवैये के कारण लंबे समय से किसान परेशान हैं और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।

शिकाय पत्र में महेंद्र पटेल नंदकिशोर पटेल ,स्नेहा अग्रवाल अशोक कुमार यादव, संदीप कुमार दुबे, विष्णु शंकर मिश्रा ,केशव तिवारी गणेश प्रसाद तिवारी किसानों ने उल्लेख किया है कि केंद्र में व्यवस्थाएं लगातार बिगड़ती जा रही हैं। किसानों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद जिम्मेदार प्रबंधक द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसानों का आरोप है कि उनकी समस्याओं को सुनने के बजाय उन्हें टालने लड़ाई झगड़ा करने का प्रयास किया जाता है, जिससे किसानों में भारी नाराजगी व्याप्त है।

ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि यदि समय रहते स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो किसानों को और अधिक आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसानों ने आरोप लगाया कि केंद्र की अव्यवस्थाओं का खामियाजा सीधे अन्नदाता को भुगतना पड़ रहा है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और प्रबंधक मौन साधे हुए हैं।

किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और प्रबंधक की भूमिका की गहन पड़ताल की जाए। उनका कहना है कि यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो संबंधित प्रबंधक को तत्काल पद से हटाकर किसानों के हित में सक्षम एवं जवाबदेह अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। किसानों का साफ कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहिए। यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो किसान व्यापक आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए भी मजबूर हो सकते हैं। किसानों की एकजुटता और बढ़ते आक्रोश ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

घायल कार्यकर्ताओं का हाल जानने पहुंचे विधायक कमल मर्सकोले

हरिभूमि न्यूज सिवनी। बरघाट विधायक कमल मर्सकोले ने बरघाट मंडल के ग्राम पिंडरई खुर्द पहुंचकर भाजपा के सक्रिय एवं ऊर्जावान कार्यकर्ता संजोग मरकाम एवं रवि बोपचे के स्वास्थ्य की जानकारी ली। दोनों कार्यकर्ता हाल ही में चोटिल हो गए थे, जिसके बाद विधायक मर्सकोले उनके निज निवास पहुंचे और उनका कुशलक्षेम जाना।

इस दौरान विधायक ने दोनों कार्यकर्ताओं एवं उनके परिजनों से चर्चा कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें बेहतर उपचार कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं और उनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहना हम सभी का दायित्व है। विधायक कमल मर्सकोले ने घायल कार्यकर्ताओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए ईश्वर से उनके जल्द से जल्द पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं ने विधायक द्वारा घर पहुंचकर हालचाल जानने और संवेदनशीलता प्रदर्शित करने की सराहना की। विधायक ने आश्वासन दिया कि आवश्यकता पडने पर हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

जिला यादव महासभा द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित

यादव समाज सदैव समाज एवं राष्ट्रहित के साथ खड़ा रहा है तथा सभी जातियों, वर्गों एवं धर्मों का सम्मान करता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिला यादव महासभा सिवनी द्वारा आज दिनांक 24 जून 2026, दिन बुधवार को दोपहर 03:00 बजे होटल नटराज पैलेस, तिकोना पार्क, सिवनी में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई।

पत्रकार वार्ता में उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं एवं मीडिया साथियों का आभार व्यक्त करते हुए महासभा की ओर से कहा गया कि 24 मई 2026, दिन रविवार को आयोजित जिला सम्मेलन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन के विशाल आयोजन में मीडिया जगत का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आयोजन के पूर्व, आयोजन के दौरान तथा आयोजन के पश्चात सभी पत्रकार साथियों ने जिस प्रकार सहयोग प्रदान किया, वह प्रशंसनीय एवं अविस्मरणीय है। महासभा ने भविष्य में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार सहयोग एवं मार्गदर्शन बनाए रखने का आग्रह किया।

यादव समाज सदैव समाज एवं राष्ट्रहित के साथ खड़ा रहा है तथा सभी जातियों, वर्गों एवं धर्मों का सम्मान करता है। समाज सामाजिक समरसता, सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता के मूल्यों में विश्वास रखता है। पत्रकार वार्ता में जिला यादव महासभा के अध्यक्ष अरुण कुमार यादव, एडवोकेट अखिलेश यादव, रमण यादव (बाबू भैया), विनोद यादव, के.के. यादव, महेश यादव, उमेश यादव, रामकिशोर यादव, राजेन्द्र यादव सहित अनेक सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद द्वारा संगठन का स्थापना दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज सिवनी। आज अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया जिसमे शहर के मध्य स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को भोजन एवं फल वितरण कर आशीवांद प्राप्त किया गया। संगठन के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रोहित सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के स्थापना दिवस मनाने हेतु जिले में अनेक कार्यक्रम किये जाएंगे जिसमे वृद्धाश्रम, बाल सुधार ग्रह, जिला अस्पताल आदि में फल वितरण एवं मुख्य हनुमान मंदिरों में भंडारा प्रसाद के साथ हनुमान चालीसा साथ ही आमजन के साथ सम्पर्क अभियान एवं रैली इत्यादि कार्यक्रम करना सुनिश्चित है जिससे संगठन को अधिक से अधिक मजबूती के साथ हिन्दु धर्म की रक्षा एवं सकल हिन्दु समाज एकता को बल मिले । इस कड़ी की शुरुआत आज वृद्धाश्रम में भोजन एवं फल वितरण करके की गयी है जिसमे मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मालू द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं उनके साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कार्यकारी अध्यक्ष रोहित सक्सेना , नगर अध्यक्ष शुभम बघेल , योगेश सोनी, सुजल बघेल, शिवा शुक्ला, राज बघेल , नीलेश बघेल शामिल रहे ।

177 जर्जर शाला भवनों का किया गया ध्वस्तीकरण

जर्जर भवनों में स्कूल संचालन पर कलेक्टर ने लगाई रोक

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत जिले में संचालित प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के जीर्ण-शीर्ण भवनों को वर्षाकाल से पूर्व सुरक्षित रूप से हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले के सभी 08 विकासखंडों में बीआरसी एवं जनपद शिक्षा केंद्रों के उपयंत्रियों द्वारा जर्जर विद्यालय भवनों का सर्वेक्षण कराया गया, जिसमें कुल 198 भवनों का चिन्हांकन किया गया।

सक्षम अधिकारियों से ध्वस्तीकरण की अनुमति प्राप्त होने के उपरांत जनपद पंचायतों के माध्यम से अब तक 177 प्राथमिक एवं माध्यमिक जर्जर शाला भवनों को ध्वस्त किया जा चुका है। शेष चिन्हित भवनों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, अन्य जीर्ण-शीर्ण विद्यालय भवनों का चिन्हांकन कर उन्हें भी चरणबद्ध तरीके से ध्वस्त करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि जिले में किसी भी विद्यालय का संचालन जर्जर अथवा असुरक्षित भवन में नहीं किया जाए, वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए इन संस्थाओंका संचालन सुरक्षित भवनों में किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों में सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है।

हिंदू सेवा परिषद ने दो जरूरतमंदों को किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सरसडोल के रवि मर्सकोले जी के यहां ब्लड की आवश्यकता पडने पर हिंदू सेवा परिषद के जिला महासचिव को पता चलते ही उन्होंने अपनी ही गांव की टीम को एकत्रित किया और सिवनी के जिला चिकित्सालय पहुंचकर उन्हें रक्त दिलवाया उसके बाद एक लखन वाडा ग्राम बमोडी के रहने वाले यादव परिवार को भी रक्त दिलवाया एक ही दिन में दो जरूरतमंदों को रक्तदान किया हिंदू सेवा परिषद हमेशा यह कार्य करती रहती है और आगे भी निरंतर करती रहेगी रक्त देने वाले का नाम गोविंद विश्कर्मा, सेलू विश्कर्मा, सहयोगी धनराज मानाठाकुर, प्रदेश सहसचिव, पिंकेश विश्वकर्मा जिला महासचिव।

दीप ज्योति स्कूल वर्धमान कॉलोनी की सड़क कीचड़ में तब्दील, पैदल चलना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले की केवलारी नगरपरिषद के दीप ज्योति स्कूल वर्धमान नगर की सडक़ पहली ही बारिश में कीचड़ में तब्दील होगे गड्ढों में पारी भरा हे जिससे स्कूली बच्चों ओर आम लोगों को आने जाने में भरी परेशानी हो रही हे वहीं कीचड़ ओर गड्ढों में पानी भरने से अनेक मौसमी बीमारी भी होने की संभावना हे स्कूल में अध्ययन रत बच्चों के अभिभावक ओर कालोनी निवासी जिला प्रशासन से निवेदन करते हे कि इस समस्या का निदान जल्द से जल्द करने की दया करे छात्र हित में।

राजस्व वसूली, शिकायत निवारण एवं बेहतर विद्युत सेवाओं पर विद्युत विभाग का विशेष जोर

छपारा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता, सिवनी के द्वारा बुधवार को उपसंभाग छपारा में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं समस्त कनिष्ठ अभियंताओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर एवं निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने, राजस्व संग्रहण में वृद्धि तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि बैठक के दौरान अधीक्षण अभियंता ने राजस्व वसूली की वर्तमान स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ संचालन एवं विकास कार्यों के लिए राजस्व संग्रहण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मुख्यालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यक्तिगत लक्ष्य प्रदान करते हुए राजस्व वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिक से अधिक नए उपभोक्ताओं को विद्युत कनेक्शन प्रदान कर उपभोक्ता संख्या बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया।

सुधार सूचना पत्र जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए

गोपिका मॉल स्थित एप्पल फूड कंसलटेंसी एवं श्री होटल एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु सतत निरीक्षण एवं जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

इसी क्रम में संचालित मोबाइल खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से गोपिका मॉल स्थित एप्पल फूड कंसलटेंसी एवं श्री होटल एंड रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों, मसालों एवं खाद्य तेलों की जांच की गई। उपयोग में लाए जा रहे कुकिंग ऑयल की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर एप्पल फूड कंसलटेंसी से कुकिंग ऑयल का नमूना तथा श्री होटल एंड रेस्टोरेंट से कुकिंग ऑयल का नमूना विधिवत संग्रहित कर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा गया। निरीक्षण के दौरान श्री होटल एंड रेस्टोरेंट में खाद्य लाइसेंस की शर्तों का पूर्णतः पालन नहीं पाया गया, जिसके फलस्वरूप प्रतिष्ठान संचालक को सुधार सूचना पत्र जारी कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा यह भी बताया गया कि श्रीमाया रेस्टोरेंट, सिंह साहब ऑफ द ढाबा एवं हरियाणा मेवात ढाबा पर पूर्व में अधिरोपित किए गए अर्थदंड की राशि अब तक जमा नहीं की गई है। संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर शीघ्र अर्थदंड जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में अर्थदंड जमा नहीं किए जाने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत उनके खाद्य लाइसेंस के निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने खाद्य व्यवसाय संचालकों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की अपील की है।

एरियर्स निकालने शिक्षक से मांग रहे थे 4 हजार रूपये, लोकायुक्त की टीम ने दबोचा

स्कूल के बड़े बाबू रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट/वारासिवनी।

जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को बालाघाट जिले के वारासिवनी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी के लेखापाल वोमेंद्र कुमार रोकड़े (49) को 4 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे से एरियर्स की राशि निकालने के एवज में यह रिश्वत मांगी थी।

सहायक शिक्षक नरेंद्र कुमार डोहरे ने बताया कि उनका जुलाई 2017 से दिसंबर 2023 तक का वेतन विसंगति एरियर्स 94,085 रुपए बना था। इसमें से 66,557 रुपए की राशि उन्हें पहले ही मिल चुकी थी। शेष 27,528 रुपए के एरियर्स को निकालने के लिए आरोपी बाबू वोमेंद्र रोकड़े ने 4 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

शिकायत की पुष्टि होने के बाद जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने 24 जून को कायदी स्कूल के शिक्षक कक्ष में सहायक शिक्षक से 4 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए बाबू वोमेंद्र रोकड़े को रंगेहाथ पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद लोकायुक्त पुलिस आरोपी को लेकर वारासिवनी रेस्ट हाउस पहुंची, जहां मामले से जुड़ी आगे की कार्यवाही और शिकायतकर्ता व आरोपी के बयान दर्ज किए गए।

जबलपुर लोकायुक्त निरीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देशों और पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7, 13(1)ठ, और 13(2) के तहत मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त निरीक्षक राहुल गजभिए, टीएलओ निरीक्षक जितेंद्र यादव सहित जबलपुर लोकायुक्त पुलिस बल मौजूद रहा। लोकायुक्त पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी शासकीय अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है, तो वे कार्यालय पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त, सिविक सेंटर, जेडीए बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, जबलपुर में स्वयं उपस्थित होकर या मोबाइल नंबर 7999514544, दूरभाष नंबर 0761-2408599 और 0761-2408588 पर संपर्क कर सकते हैं।

जेल में रह रहे आरोपी की चिकित्सालय में मौत

परिजनों ने कहा जेल में हुई हैं मारपीट

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिला अस्पताल में न्यायिक अभिरक्षा में बंद एक युवक की बुधवार दोपहर मौत हो गई। मृतक की पहचान कृष्णकिशोर उदयपुरे के रूप में हुई है, जिसे बड़े भाई की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। मंगलवार देर रात तबीयत बिगड़ने पर उसे जेल अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार दोपहर करीब 2:15 बजे उसकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने कृष्णकिशोर को 19 जून को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। इसके बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था।

मौत की सूचना मिलने पर मृतक की बहन ज्योति सोनी जिला अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई को झूठे मामले में फंसाया गया और थाने के साथ-साथ जेल में भी उसके साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हुई है।

ज्योति ने बताया कि 23 जून को कोर्ट में मुलाकात के दौरान उनके भाई का चेहरा और एक पैर सूजा हुआ था। उनका दावा है कि मौत के बाद दोनों पैर और शरीर में सूजन दिखाई दे रही थी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अस्पताल में भर्ती किए जाने की जानकारी परिवार को समय पर क्यों नहीं दी गई।

जानकारी के अनुसार, 16 जून को कुलदीप की संदिग्ध मौत के मामले की जांच के बाद हट्टा पुलिस ने कृष्णकिशोर को आरोपी बनाया था। 19 जून को उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। जेल जाने के चार दिन बाद उसकी तबीयत बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई।

जेल अधीक्षक रामलाल सेहलाम ने बताया कि कृष्णकिशोर 19 जून को जेल में दाखिल हुआ था और 20 तथा 23 जून को न्यायालय भी गया था। उन्होंने बताया कि 22 जून को जेल चिकित्सक ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी थी, लेकिन बल की कमी के कारण उसे तत्काल अस्पताल नहीं भेजा जा सका।

23 जून की रात अचानक तबीयत खराब होने पर उसे जेल अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मामले में मर्ग कायम करने के लिए कोतवाली थाना पुलिस को पत्र भेजा गया है। शव का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रियल पंचनामा कार्रवाई के बाद कराया जाएगा। जेल प्रशासन ने इस संबंध में न्यायालय, संबंधित अधिकारियों, मानव अधिकार आयोग और राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को भी पत्र भेजे हैं।

फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने सांसद से मुलाकात कर कहा शिक्षक पात्रता परीक्षा समाप्त की जाएं

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने बुधवार को सांसद भारती पारधी को ज्ञापन सौंपकर 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। शिक्षकों ने केंद्र सरकार से मानसून सत्र में अध्यादेश या संशोधन बिल लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रांतीय संयोजक परमानंद डहेरिया और प्रांतीय संगठन मंत्री गिरधारी ठाकरे ने किया। शिक्षकों ने कहा कि सरकार को लाखों शिक्षकों के आत्मसम्मान और सेवा अनुभव को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। प्रांतीय संगठन मंत्री गिरधारी ठाकरे ने कहा कि जब प्रशासनिक अधिकारी नियुक्ति के बाद दोबारा पात्रता परीक्षा नहीं देते, तो शिक्षकों से ऐसी अपेक्षा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कई शिक्षकों की उम्र 50 से 55 वर्ष के बीच है और उनके पास 30 से 35 वर्षों का शिक्षण अनुभव है। उन्होंने केंद्र सरकार से मानसून सत्र में संशोधन बिल लाकर टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। प्रांतीय संयोजक परमानंद डहेरिया ने कहा कि सभी शिक्षक भर्ती के समय निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूरी करने के बाद ही नियुक्त हुए थे। ऐसे में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को फिर से पात्रता परीक्षा के दायरे में लाना उचित नहीं है। उन्होंने सांसदों से मानसून सत्र में इस संबंध में बिल लाने और 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने की मांग की।

शहीदाने कर्बला की याद में दो दिवसीय निकलेगा जुलूस

मुहर्रम की धूम : या हुसैन के नारों से गूंजा चांगोटोला

सलीम शाह, हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

"क़त्ल-ए-हुसैन असल में मर्ग-ए-यज़ीद है, इस्लाम ज़िंदा होता है हर कर्बला के बाद।" हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी सिर्फ एक देश की विरासत नहीं हैं बल्कि पूरी मानवजाति के लिए भाईचारे का संदेश हैं। इमाम हुसैन का बलिदान हमें बताता हैं कि अत्याचारी कितना भी ताकतवार क्यों न हों, एक दिन सत्य उस पर विजय प्राप्त कर लेता हैं। इमाम हुसैन का संदेश संपूर्ण मानवजाति के कल्याण के लिए हैं। कर्बला के मैदान में जब आप शत्रु यजीद की सेना के द्वारा चारों ओर से घेरे लिए जाते हैं तब भी आपके चेहरे पर मुस्कान और धैर्य बना हुआ रहता हैं। तानाशाह हुकुमत के समक्ष आत्मसमर्पण न करते हुए सच्चाई के लिए ईस्लाम धर्म की रक्षा के लिए संपूर्ण मानवजाति को बचाने के लिए आपका बलिदान हो जाता हैं। मुस्लिम समाज आपके बलिदान को स्मरण करते हुए पूरी दुनियां में मुहर्रम पर्व मनाया जाता हैं। इसी कड़ी में चांगोटोला ग्राम में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी इस्लाम धर्म अनुयाइयों द्वारा मोहर्रम पर्व मनाते आ रहे हैं, जिसको लेकर गत दिवस मुस्लिम समुदाय के समाज सेवकों के द्वारा चांगोटोला थाना प्रभारी को थाना पहुंचकर आवेदन दिया गया, चांगोटोला नगर में जुलुस निकाला जायेगा। कार्यक्रम में आज और कल शुक्रवार दो दिनों तक चलेगा, अन्य कार्यक्रम भी किये जायेंगे। इस कार्यक्रम की रुप रेखा एवं मार्ग विवरण आज छुट्टन बाबा के घर से अलाव के लिये रात्री 9-10 बजे निकलेंग जिसमें सवारी छुट्टन मुजावर, फक्कड़ बाबा, बफाती बाबा मुजावर दरिया वाले बाबा, रज्जाक मुजावर सैय्यद बाबा, तस्लीम मुजावर बेहट बाबा साथ ही ग्राम अरनामेटा की सवारी सरीफ मुजावर सैय्यद शैलानी बाबा कमलेश मुजावर शैलानी बाबा, रिंकु मुजावय मस्ताना सिग्नल वाले बाबा एवं अन्य सवारियों के साथ ग्रामीण जन अलावा में गुस्ल करेंगे, जिसके बाद घर की ओर रवानगी होगी, रात में दोबारा सवारियों के साथ जूलूस निकलेगा जिसमें डीजे साउंड रहेगा एवं रास्ता छुट्टन बाबा के घर से जुलूस निकाला जाएगा जो पुरानी वैध राइस मील होते हुए सलमान बाबा के घर होते हुए मस्जिद चौराहा पहुंचेगी उसके बाद इंडियन बैंक हनुमान मंदिर, महावीर चौक पहुंचेंगे जहां पर अखाड़ा होगा इसके बाद थाने के सामने से होते हुए मजार मऊ जाएगा इसके बाद मऊ कॉलोनी में भ्रमण के बाद वापस छुट्टन भाईजान के घर में पहुंचेगे, अगले दिवस 26 में दिन शुक्रवार को 3बजे रास्ता वही रहेगा कार्यक्रम भी वही रहेगा जो महावीर चौक से मजार जाने के बाद मऊ तालाब में विसर्जन किया जायेगा उर्स रास्ते से घर वापस लौटेंगे, उक्त पूरे कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार को मनाने के लिए समझाइस दी है, और प्रशासन की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा।

106 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सीखी पेयजल गुणवत्ता जांच की तकनीक

बालाघाट। ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग लांजी के सहयोग से एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन महिला बाल विकास परियोजना कार्यालय लांजी में किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके एवं सहायक यंत्री श्री रविन्द्र हट्टेवार के मार्गदर्शन में तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक श्रीमती रेखा सोनवाने की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण में ककोड़ी, पालडोंगरी, लांजी 'अ' एवं लांजी 'ब' सेक्टर की कुल 106 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर क्षमता विकसित करना था। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित शीतल मिश्रा, पीएमयू समन्वयक हरीश झा, ब्लॉक समन्वयक ओमप्रकाश शिवनकर, रानी सिंह राजपूत, फनीश रंगारे, श्रुति डहाटे एवं आई-केमिस्ट उज्जवल हरिन्द्रवार ने प्रशिक्षण प्रदान किया। ब्लॉक समन्वयक ओमप्रकाश शिवनकर द्वारा एफटीके किट के उपयोग का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि इस किट की सहायता से पानी में फ्लोराइड, नाइट्रेट, आयरन, हार्डनेस, क्लोरीन तथा पीएच मान की जांच कम समय में की जा सकती है।

मानसून की लेटलतीफी ने बालाघाट के किसानों की बढ़ाई चिंता

जून का अंतिम सप्ताह, बारिश शून्य

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में मानसून की देरी से धान उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ गई है। जून का अंतिम हफ्ते होने के बावजूद जिले में अब तक एक इंच भी बारिश दर्ज नहीं की गई है। पिछले साल की तुलना में इस साल 24 जून तक केवल 22 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक डेढ़ इंच से अधिक बारिश हो चुकी थी। बारिश के अभाव में किसान अपनी बोवनी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने अपने खेत तैयार कर लिए हैं और खाद-बीज भी खरीद लिया है, लेकिन अब वे केवल मानसून के सक्रिय होने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल ने बालाघाट जिले के लिए पांच दिवसीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान जारी किया है।

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र अगासे ने बताया कि 24 से 27 जून के दौरान जिले में मौसम में बदलाव आ सकता है। इस अवधि में हल्के बादल छाए रहने, हल्की वर्षा होने और कुछ स्थानों पर बिजली गिरने और आंधी-तूफान की संभावना है।

कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपने कृषि कार्यों की योजना बनाएं। साथ ही, बिजली गिरने या तेज हवाओं के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें।

पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में औसतन 06 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसमें बालाघाट तहसील में 01 मिलीमीटर, वारासिवनी में 07 मिलीमीटर, बैहर में 14 मिलीमीटर, लांजी में 00 मिलीमीटर, कटंगी में 00 मिलीमीटर, किरनापुर में 02 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 20 मिलीमीटर, बिरसा में 05 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 12 मिलीमीटर और तिरोड़ी में 02 मिलीमीटर वर्षा शामिल है।

चालू वर्ष में 01 जून से 24 जून तक सबसे अधिक 41 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट और वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 03 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

वहीं बैहर में 37 मिलीमीटर, लांजी में 12 मिलीमीटर, कटंगी में 11 मिलीमीटर, किरनापुर में 06 मिलीमीटर, लालबर्रा में 31 मिलीमीटर, बिरसा में 08 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 30 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 21 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

वन विभाग ने 5 आरोपियों को दबोचा

बाघ के अवयवों की तस्करी का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट में वन विभाग ने वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विभाग को पिछले डेढ़ महीने से इस गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी।

तस्करों को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम खुद 'खरीददार' बनी और सौदा तय कर आरोपियों को पकड़ा। अधिकारियों का दावा है कि जब्त की गई हड्डियां दो अलग-अलग बाघों की हैं, जिन्हें पुष्टि के लिए लैब भेजा गया है। पश्चिम सामान्य परिक्षेत्र बैहर के अधिकारी कंदर्फ भट्ट ने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों कंकाल बाघ के ही लग रहे हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला है कि एक बाघ की हड्डियां वे मंडला जिले के बम्हनी बंजर इलाके से लेकर आए थे। हालांकि, दूसरे बाघ का कंकाल उनके पास कहां से आया, इसे लेकर अभी पूछताछ की जा रही है। वन विभाग अब इस बात की भी गहराई से तफ्तीश कर रहा है कि इन बाघों का शिकार कैसे हुआ और उनके शरीर के बाकी हिस्से (जैसे खाल और नाखून) कहां हैं। वन विभाग ने वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जिन पांच आरोपियों को जेल भेजा। रामलाल टेकाम (52): निवासी कुरवाही (बिछिया, मंडला), दशरथ परते (45): निवासी बिछिया (मंडला), भीम सिंह परतेः निवासी हर्राभाट (परसवाड़ा), रविन्द्र सोनकुसरेः निवासी छपारा, राजकुमार सोनकुसरेः निवासी छपारा। पकड़े गए आरोपियों के अलावा वन विभाग की टीम एक अन्य संदेही देवीदयाल ढोढरे को हिरासत में लेकर उसके साथियों और इस नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। इस पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में वनकर्मी देवेंद्र मरावी, ओंकार चौधरी, नरेंद्र मर्सकोले, अरुणेंद्र शेखर तिवारी, प्रमोद बंजारी, चंद्रशेखर मरकाम, सूरज नायक और अक्षय यादव की मुख्य भूमिका रही।

अपराधों की रोकथाम के लिए मलाजखंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत चलाया विशेष जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

अपराधों की रोकथाम, साइबर सुरक्षा, और महिलाओं की सुरक्षा के लिए लगातार कई विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं । माननीय विशेष पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा भोपाल ,पुलिस अधीक्षक बालाघाट , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैहर के निर्देशानुसार 24 जून को अपराधों, घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हेतु विशेष जागरूकता अभियान एवं फोटो चस्पा कर, पावनी मोहगांव तिराहा में ग्रामीणजनों को प्रोग्राम के माध्यम से समझाइश देकर जागरूक किया गया। इस जागरूकता अभियान में मलाजखंड थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह जॉनवार के निर्देशन पर सहायक उपनिरीक्षक सुलेखा मरकाम, प्रधान आरक्षक 390 कृष्ण कुमार धुर्वे, महिला आरक्षक मीणा, आरक्षक वेद प्रकाश, नरेंद्र पटले, रमेश परते एवं मलाजखंड थाना के सभी स्टाफ के द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

नगर परिषद ने जारी किया एफटीओ, डीडीओ कार्यालय में फंसा भुगतान

7 पीएम आवास हितग्राहियों की पहली किस्त डेढ़ माह से अटकी

हरिभूमि न्यूज कटंगी। नगर परिषद कटंगी के अधीन आने वाले शहरी क्षेत्र के 17 प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के हितग्राहियों के लिए बरसात से पहले अपना पक्का मकान बनाने का सपना टूटता नजर आ रहा है। इन हितग्राहियों को करीब डेढ़ माह से आवास योजना की पहली किस्त की राशि नहीं मिल पाई है। खास बात यह है कि नगर परिषद द्वारा सभी 17 हितग्राहियों के नाम से एफटीओ यानी फंड ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिया गया है। हितग्राहियों के मोबाइल पर राशि जमा होने का मैसेज भी आ चुका है, लेकिन जब वह बैंक पहुंचे तो खाते खाली मिले। इससे हितग्राहियों में हड़कंप मच गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत नगर परिषद कटंगी के अलग-अलग वार्डों के 17 हितग्राहियों का चयन पहली किस्त के लिए किया गया था। नियमानुसार नगर परिषद ने दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद करीब डेढ़ माह पहले इन सभी हितग्राहियों का एफटीओ जनरेट कर डीडीओ कार्यालय बालाघाट को भेज दिया था। एफटीओ जारी होने के बाद हितग्राहियों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर योजना की पहली किस्त 1 लाख रुपये खाते में जमा होने का मैसेज भी आ गया। मैसेज आने के बाद खुशी-खुशी हितग्राही जब बैंक पहुंचे तो पता चला कि उनके खाते में कोई राशि जमा ही नहीं हुई है। बैंक से खाली हाथ लौटे हितग्राही सीधे नगर परिषद कार्यालय पहुंचे। हितग्राहियों के मोबाइल पर आए मैसेज और बैंक में जीरो बैलेस देखकर नगर परिषद के कर्मचारियों के भी कान खड़े हो गए। जब इस मामले में सीएमओ आर.एस. चौधरी से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि इसी सप्ताह हितग्राहियों के खाते में राशि जमा हो जाए इसके प्रयास किए जा रहे है। फिलहाल डीडीओ कार्यालय से कब तक 17 गरीब परिवारों को राशि मिलती है और वह कब अपने आशियाने की पहली ईंट रखते है यह कह पाना मुश्किल है।

डीडीओ कार्यालय में अटका है मामला : नगर परिषद के मुताबिक बताया गया है कि उनकी तरफ से सभी 17 हितग्राहियों का एफटीओ समय पर जारी कर दिया गया था। एफटीओ जारी होने के बाद राशि सीधे डीडीओ कार्यालय बालाघाट के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में ट्रांसफर होती है। लेकिन डीडीओ कार्यालय से ही राशि हितग्राहियों के खाते में जमा नहीं हो पाई है।